बिहार विधान-सभा वादवृत्त।

बुधवार, तिथि २३ मार्च, १९६०।

भारत के संविधान के उपवन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में बुधवार, तिथि २३ मार्च १९६० को ११ बजे पूर्वाह्न में अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

श्री दीपनारायण सिंह—महाशय, मैं गत षष्ठ सत्र (सितम्बर-अक्टूबर, १९५९) के ९५५ अनागत प्रश्नों में से १२१ अनागत तारांकित प्रश्नों के उत्तर मेज पर रखता हूं। शेष प्रश्नों के उत्तर सचिवालय के विभागों से प्राप्त होने पर उपलब्ध कराये जायेंगे।

ये हैं गत षष्ठ सत्र (सितम्बर-अक्तूबर, १९५९) के १२१ तारांकित प्रश्नों के उत्तर जो समयाभाव के कारण सदन में नहीं दिये जा सके। शेष प्रश्नों के उत्तर सम्बन्धित विभागों से प्राप्त होने पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

एनायतुर रहमान,
सचिव,
बिहार विधान-सभा।

सूची।

क्रम सं०।	सदस्य का नाम।	प्रश्न संख्या।
१	श्री इन्द्र नारायण सिंह	५५
२	श्री प्रभुनारायण राय	६६, १२६, २८७
३	श्री सुखु मुर्मू	७२
४	श्री डुमरलाल वैठा	१२२
५	श्री जयनारायण झा 'विनीत'	१२३
६	श्री राजाराम आर्य	१२५
७	श्री राम जयपाल सिंह	१२८, ४२१, ११३२, ११९२
८	श्री सुखदेव मांझी	१५२
९	श्री ब्रजनन्दन शर्मा	१९३, ३३८, ८९६
१०	श्री राघवेन्द्र नारायण सिंह	१९९, २८८
११	श्री महावीर राउत	१८८, २७३
१२	श्री अब्दुल गफूर	२४०

श्री मकबूल अहमद—(१) बाढ़ शहर के जलापूर्त्ति का कार्य १९५८ से आरम्भ में शुरू किया गया था। दो नलकूप एक लाख गैलन के पानी की टंकी और वितरण जल शाखा का कार्य प्रायः समाप्त हो चुका है। स्थायी पम्पों की खरीद के लिये आदेश दिये गये हैं। शहर में पूर्णरूपेण जलापूर्त्ति पम्पों की प्राप्ति के बाद ही की जा सकती है। इसमें संभवतः एक वर्ष लगेगा।

(२) सरकार ने पहले ही जलापूर्त्ति हेतु सक्रिय कदम उठाया है और आन्तरिक व्यवस्था के लिये जलापूर्त्ति एक पुराने पम्प के द्वारा जिसकी शक्ति सीमित है, की जा रही है।

पूर्णिया में नल-कल की व्यवस्था।

४०८। श्री लक्ष्मी नारायण सुधांशु—क्या जन-स्वास्थ्य अभियंत्रणा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि पूर्णिया नगर में जल-कल की व्यवस्था कई वर्षों से की जा रही है;

(२) क्या यह बात सही है कि इस व्यवस्था में आशातीत देरी हो रही है और वर्षों से कुछ काम नहीं हो रहा है;

(३) नगरवासियों को किस महीने से पानी मिलने की संभावना है?

श्री मकबूल अहमद—(१) हां, १९५६ के जून माह से पूर्णिया नगर से जलापूर्त्ति योजना आरम्भ है।

(२) नहीं। कार्य सदैव प्रगति की ओर रहा है।

(३) इस चालू वित्तीय वर्ष के अन्त तक नगरवासियों को पानी मिलने की संभावना है, बशर्ते कि बिजली की अथवा तेल से चलने वाले पम्प की तथा नलों की प्राप्ति हो जाये, जिसके लिये आपूर्त्ति आदेश दे दिया गया है और उनको प्राप्त करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है।

IRREGULARITY IN RAJYA TRANSPORT.

410. Shri BRAJESHWAR PRASAD SINGH : Will the Transport Minister be pleased to state—

(1) whether it is a fact that there are only three buses of Rajya Transport plying between Chatra and Gaya *via* Sherghati ;

(2) whether it is a fact that for the last six months they are running irregularly causing great inconvenience to passengers;